326 करोड़ रुपये के सोना, हीरे और अन्य अमूल्य धातुओं की स्मगलिंग के आरोपियों को जमानत

- मुख्य आरोपी रविन्द्र कुमार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बी.आर.बाजवा, अन्य आरोपी ओम प्रकाश की ओर से अधिवक्ता शहबान नकवी, सुरेश रतनलाल की ओर से अधिवक्ता एस.एस.होरा और दीपक कुमार की ओर से अधिवक्ता अरूण गोयल पैरवी के लिये पेश हुए थे। वहीं कस्टम विभाग की ओर से अधिवक्ता किंशुक जैन पैरवी के लिये पेश हुए थे
- याचिकाकर्ताओं की ओर से यह भी कहा गया कि यह मामला मुख्य रुप से दस्तावेजी और इलेक्ट्रोनिक्स साक्ष्य पर आधारित है। इस क्रम में जांच व बरामदगी की कार्यवाही पूरी की जा चुकी है। इसलिये ना तो दस्तावेजों तथा अन्य साक्ष्यों और गवाहों की खुर्द-बुर्द होने की संभावना है और ना ही मुख्य गवाहों को डराने धमकाने की आशंका भी नहीं है। अतः अनुसंधान के दौरान प्रार्थियों को अनिश्चितकाल के लिये रिमांड पर रखना न्यायोचित और विधि सम्मत नहीं है

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में सोना, हीरे और अन्य अमूल्य धातुओं की विवादित रूप से खरीदने तथा सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 132 और 135 के अन्तर्गत उस खरीद की जानकारी को छुपाकर शुल्क नहीं जमा करने से संबंधित मामले में आरोपियों को अदालत ने जमानत दी है। न्यायाधीश विनोद कुमार भारवानी ने रविन्द्र कुमार तथा अन्य संलग्न मामलों में आरोपियों को यह कहते हुए जमानत दी है कि इस मामले में सभी गवाह सरकारी अफसर हैं, जो इसी मामले की जांच से जुड़े हैं, अर्थात उनकी गवाही और सबूतों को प्रभावित नहीं कर पायेंगे। अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि इस मामले की सुनवाई अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट जयपुर में चल रही है, इसलिये सुनवाई के दौरान उनकी जमानत खारिज करना उचित नहीं होगा।

इस मामले में कस्टम अधीक्षक की ओर से प्रस्तुत अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट जयपुर के समक्ष परिवाद प्रस्तुत किया जा चुका है जिसके अनुसार मुख्य आरोपी रविन्द्र कुमार, उनके सीए, ओमप्रकाश और उनके अन्य साथियों ने साथ मिलकर सोना, हीरे और अन्य अमूल्य धातुओं को खरीदने के लिये 326 करोड़ 8 लाख 34 हजार रुपये की रकम को भारत से बाहर, हॉगकांग तथा यूनाईनेट अरब इमरिट्स (यू.ए.ई.) भेजी।

कस्टम अधीक्षक का कहना है कि कई नई फर्म तथा कई अस्तित्वहीन फर्मों के नाम से 326 करोड़ से अधिक की रकम भारत से बाहर भेजी और रविन्द्र कुमार के साथियों विक्रम सिंह और कमलेश नागदा द्वारा 200 बैंक खातों द्वारा करोड़ों रुपये का लेन-देन किया गया था। इस मामले में कस्टम अधीक्षक ने कहा कि जांच के दौरान रविन्द्र कुमार के साथी और आरोपी द्वारा इसी मामले में दूसरे अभियुक्त विक्रम सिंह को 80-90 करोड़ दिये गये थे और उसने फर्जी फर्मों के खातों से रकम को बाहर भिजवाया। इस मामले में मुख्य आरोपी रविन्द्र कुमार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बी.आर.बाजवा पैरवी के लिये पेश हुए थे तथा अन्य आरोपी ओम प्रकाश की ओर से अधिवक्ता शहबान नकवी, सुरेश रतनलाल की ओर अधिवक्ता एस.एस.होरा और दीपक कुमार की ओर से अधिवक्ता अरूण गोयल पैरवी के लिये पेश हुए थे। वहीं कस्टम विभाग की ओर से अधिवक्ता किंशुक जैन पैरवी के लिये पेश हुए थे।

प्रार्थीगण-अभियुक्तगण द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष सुनवाई के दौरान कहा गया कि उन पर बढ़ा-चढ़ाकर आरोप लगाकर गिरफ्तार किया गया है लेकिन इस अपराध के विरूद्ध उनके पास प्रथम दृष्टया साक्ष्य पत्रावली मौजूद नहीं है। उन्हें डरा-धमकाकर एवं दवाब बनाकर कथन लेखबद्ध किये गये हैं लेकिन पूछताछ के दौरान लेखबद्ध किये ऐसे तथ्यों का अदालत में कोई महत्व नहीं होता है। प्रार्थीगण-अभियुक्तगण की ओर से यह भी कहा गया कि यह मामला मुख्य रुप से दस्तावेजी और इलेक्ट्रोनिक्स साक्ष्य पर आधारित है। इस क्रम में जांच व बरामदगी की कार्यवाही पूरी की जा चुकी है। इसलिये ना तो दस्तावेजों तथा अन्य साक्ष्यों और गवाहों की खुर्द-बुर्द होने की संभावना है और ना ही मुख्य गवाहों को डराने धमकाने की आशंका भी नहीं है। अतः अनुसंधान के दौरान प्रार्थियों को अनिश्चितकाल के लिये रिमांड पर रखना न्यायोचित और विधि सम्मत नहीं है। इस पर अदालत ने आरोपियों को एक-एक लाख रुपये की दो सिक्योरिटी मुचलके रखकर जमानत के आदेश दिये।

दक्षिणी-पश्चिमी कमान में अलंकरण समारोह का आयोजन

दक्षिणी-पश्चिमी कमान के सेना कमांडर अमरदीप सिंह भिंडर ने 17 सेना पदक (शौर्य), एक सेना पदक (प्रतिष्ठित) और एक विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किए।

जयपुर। सेना का दक्षिण पश्चिमी कमान अलंकरण समारोह बुधवार को बठिंडा मिलिट्री स्टेशन के सगत सिंह सभागार में पारंपरिक उत्साह और सैन्य भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कुल सत्रह सेना पदक (शौर्य), एक सेना पदक (प्रतिष्ठित) और एक विशिष्ट सेवा पदक लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह भिंडर, सेना कमांडर, दक्षिण पश्चिमी कमान द्वारा प्रदान किए गए।

अलंकरण समारोह वर्ष में एक बार उन कर्मियों को विभिन्न पुरस्कार प्रदान करने के लिए आयोजित किया जाता है, जिन्होंने व्यक्तिगत वीरता और कर्तव्य के प्रति असाधारण समर्पण के कार्यों से खुद को प्रतिष्ठित किया है। पुरस्कार पाने वालों में नौ अधिकारी, एक सरदार और नौ सैनिक शामिल थे। 61 राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन के सिपाही लक्ष्मण के निकट संबंधी को मरणोपरांत वीरता पुरस्कार प्रदान किया गया। पांच यूनिटो को सेना अध्यक्ष द्वारा प्रशंसा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया तथा 15 यूनिटो को जीओसी-इन-सी यूनिट प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

सेना कमांडर ने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनकी वीरता और विशिष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान देने का आग्रह किया। लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह भिंडर ने बाद में पुरस्कार विजेताओं, उनके परिवारों के साथ बातचीत की और भारतीय सेना और राष्ट्र की सर्वोच्च परंपराओं को बनाए रखने में उनके अमूल्य योगदान को सराहा।

राष्ट्रीय लोक अदालत 11 को

जयपुर, (का.सं.)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 11 फरवरी को हाईकोर्ट सहित प्रदेश की निचली कोर्ट में साल की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित होगी। इसमें दोनों पक्षों की सहमति से केस का निपटारा करने के लिए 8,07,142 केसों को चिन्हित किया गया है। इन केसों में 4,65,614 केस प्रिलिटिगेशन के हैं और 3,41,528 केस कोर्ट में लंबित केस हैं। इन केसों की सुनवाई के लिए 500 बेंच बनाई गई हैं। रालसा के सदस्य सचिव प्रमिल कुमार माथुर ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा केसों के निस्तारण के लिए रोडवेज, परिवहन, राजस्व सहित अन्य विभागों के सचिवों के साथ बैठक आयोजित की गई है। इसके अलावा बैंकों व बीमा कंपनियों के अफसरों के साथ भी उनसे जुड़े केसों में निस्तारण के लिए बातचीत की है। वहीं प्री-काउंसलिंग के सेशन भी करवाए हैं और सरकारी विभागों के अधिकारियों के साथ रालसा ने बैठक की ताकि उनके विभाग में लंबित राजीनामे योग्य मुकदमों को सूचीबद्ध किया जा सके।

कैनवास पर उकेरे अभिव्यक्ति के रंग

जयपुर,(कासं)। मरीजों का इलाज करने वाले हाथों ने जब पेंट ब्रश पकड़ा तो कैनवास पर अच्छे से अभिव्यक्ति के रंग उकेरे। मौका था एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन में आयोजित हुए लिटरेचर फेस्टिवल अभिव्यक्ति का जिसमें डॉक्टर्स ने पेंटिंग, स्केचिंग, डूडलिंग, कार्टूनिंग जैसी रचनात्मक कलाओं में अपना हुनर दिखाया। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम की शुरुआत की।

प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन के आयोजन सचिव डॉ. अशोक गुप्ता ने बताया कि अलग-अलग एक्टिविटीज में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। लिटरेचर फेस्टिवल अभिव्यक्ति के संयोजक डॉ. अमित शर्मा ने बताया कि ड्राइंग, पेंटिंग, स्केचिंग, डूडलिंग, कार्टूनिंग के अलावा वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। जिसमें हिंदी भाषा में सामाजिक मूल्यों में निरंतर पतन का कारण इंटरनेट व सिनेमा है विषय रहा। वहीं अंग्रेजी में राइट टू यूथेनेसिया विषय पर वाद-विवाद किया गया।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन में लिटरेचर फेस्टिवल अभिव्यक्ति का आयोजन किया गया।

- लॉन टेनिस में भी डॉक्टर्स ने आजमाए हाथ

लिटरेचर फेस्टिवल के अलावा मेडिकल कॉलेज परिसर में लॉन टेनिस टूर्नामेंट भी आयोजित हुआ। संयोजक डॉ. जयंत सेन ने बताया कि पहले दिन दो कोर्ट में 15 मुकाबले हुए जिसमें विजेताओं ने रोमांचक जीत हासिल की। इसमें 4 मुकाबले डबल्स में जबकि 11 मुकाबले सिंगल्स में हुए।

प्रदेश में 11 को प्राइवेट हॉस्पिटल बंद रहेंगे

जयपुर,(कासं)। राइट टू हैल्थ बिल के प्रावधानों के विरोध में प्रदेश के सभी निजी अस्पताल 11 फरवरी को 24 घंटे के लिए बंद रहेंगे। चिकित्सकों की ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने इस दिन सुबह 8 बजे से 24 घंटे के लिए संपूर्ण बंद की घोषणा की है। इस हड़ताल के दौरान प्राइवेट हॉस्पिटलों में ओपीडी पूरी तरह बंद रहेगी, हालांकि इमरजेंसी सर्विस बंद रहेगी या नहीं इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ है।

बिल में संशोधन के लिए गठित विधानसभा की प्रवर समिति की आगामी बैठक 11 फरवरी को ही प्रस्तावित है। जिसमें चिकित्सक प्रतिनिधियों से भी सुझाव लिए जाएंगे। माना जा रहा है कि इसी दिन बिल को अंतिम रूप भी दिया जाएगा। आंदोलन के तहत अब चिकित्सकों ने राज्य में राइट टू हैल्थ बिल का ही विरोध शुरू कर दिया है। ज्वाइंट एक्शन कमेटी के अध्यक्ष डॉ. सुनील चुघ ने कहा कि डॉक्टरों की सभी आपत्तियों के बावजूद राज्य सरकार विधानसभा में इस विधेयक को पेश कर पारित करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि इस बिल में कई ऐसी खामियां हैं, जिनसे डॉक्टर आहत और आक्रोशित हैं।

पेट्रोल-डीजल कीमतों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

जयपुर, (का.प्र.)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सर्किल पर पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेण्डर की दरें कम करने की मांग को लेकर कांग्रेस के किये जा रहे धरना-प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुये कहा कि पूरे देश में पेट्रोल-डीजल, गैस सिलेण्डर के दाम बहुत ज्यादा होने से जनता का जीना हराम हो गया है। अन्तर्राष्ट्रीय मार्केट में क्रूड ऑयल सस्ता होकर 81 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया जब 2014 में कांग्रेस की सरकार थी, तब क्रूड ऑयल के दाम 130 डॉलर प्रति बैरल थे, तब भारत में पेट्रोल-डीजल 70 रुपये प्रति लीटर से कम में बिक रहा था, केन्द्र सरकार 40-45 रूपये प्रति लीटर टैक्स लगाकर जनता की जेब काट रही है। केन्द्र सरकार के मंत्री रोज कह रहे हैं कि पेट्रोल-डीजल के दाम कम होने चाहिये, इसके बावजूद पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेण्डर के दाम कम नहीं किये जा रहे हैं, पूरा देश महंगाई, गरीब और बेरोजगारी से परेशान है।

खाचरियावास ने कहा कि जयपुर में बुधवार 16 जगहों पर कांग्रेस पार्टी ने धरना-प्रदर्शन करके, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला दहन करके पेट्रोल-डीजल व गैस सिलेण्डर के दाम कम करने का आंदोलन शुरू किया है। जब तक यह दाम कम नहीं होंगे, कांग्रेस पार्टी सड़कों पर संघर्ष करेगी।

खाचरियावास ने कहा कि क्रूड ऑयल इतना सस्ता हो गया है कि पूरे देश में पेट्रोल-डीजल 60 रुपये प्रति लीटर पर जनता को मिलना चाहिये, लेकिन अडानी जैसे लोगों के साथ मिलकर घोटाला करने वाली केन्द्र सरकार 4 लाख करोड़ के घोटाले पर पर्दा डालने के लिये देश की जनता की जेब काटने का काम कर रही है, जनता कभी माफ नहीं करेगी क्योंकि हर एक घंटे में महंगाई और बेरोजगारी के कारण चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। केन्द्र सरकार का बजट पूरी तरह से फेल हो गया है। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांध छः साल पहले कह चुके हैं कि अडानी का घोटाला देश की अर्थव्यवस्था को चौपट कर देगा, इसके बावजूद सरकार ने कदम नहीं उठाये, अब जब पेट्रोल-डीजल सस्ते होने चाहिये तो जनता की पीठ में खंजर मार रही है।

फर्जी परीक्षार्थी चकमा देकर फरार

जयपुर (कासं)। गांधीनगर इलाके स्थित पोलोटेक्निक कॉलेज में एक फर्जी परीक्षार्थी पकड़ा गया, जोकि चेकिंग दस्ता को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश में जुटी है। थानाधिकारी सुरेंद्र यादव ने बताया 7 फरवरी को झालाना स्थित राजकीय खेतान पोलोटेक्निक कॉलेज में थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा आयोजित की गई थी। इस दौरान चेकिंग दस्ते ने गौरव कुमार मीणा की जगह मनीष बासलीवाल को परीक्षा देते पकड़ा गया। इस दौरान मनीष चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। एयरपोर्ट इलाके में एक युवती से देहशोषण का मामला सामने आया है। थानाधिकारी दिगपाल सिंह ने बताया इलाके निवासी 33 वर्षीया युवती की करीब 5 साल पहले सोशल मीडिया पर विजेंद्र से दोस्ती हुई थी। आरोप है शादी का झांसा देकर विजेंद्र पीड़िता के साथ देहशोषण करता आ रहा है। इस दौरान नकदी और गहने पर भी हड़प लिए। अब शादी से इंकार कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

यात्री के बैग में कारतूस मिला

जयपुर। सिंधी कैंप इलाके स्थित मेट्रो स्टेशन पर एक यात्री के बैग में कारतूस मिला है। पुलिस ने बताया 6 फरवरी को भूड़ा गेट, डीग जिला भरतपुर निवासी ओमप्रकाश जाटव मेट्रो स्टेशन पर गेट नंबर 1 से बाहर आ रहा था। इस दौरान चेकिन मशीन में बैग जाने पर बीप हुई। अंदर तलाशी में देशी कट्टे का जिंदा कारतूस मिला। इस पर आरोपित ओमप्रकश जाटव को गिरफ्तार किया गया है।

आंजना के परिजनों से मिले डॉ. पूनियां

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने प्रतापगढ़ जिले के केसुंदा पहुंचकर विकास आंजना के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और राज्य सरकार से हत्याकांड में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार कर कड़ी सजा देने की मांग की है।

जस्टिस मेहता को गुवाहाटी का सीजे बनाने की सिफारिश

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने राजस्थान हाईकोर्ट के सीनियर जस्टिस संदीप मेहता को गुवाहाटी हाईकोर्ट का सीजे बनाने की सिफारिश की है। सीजेआई सहित तीन जजों के कॉलेजियम ने एक आदेश जारी कर कहा है कि गुवाहाटी हाईकोर्ट के सीजे आरएम छाया हाल ही में रिटायर हुए हैं और वहां पर सीजे की नियुक्ति करनी है। राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस संदीप मेहता की नियुक्ति 30 मई 2011 को की गई थी और उनका रिटायरमेंट 10 जनवरी 2025 को होना है। देश के हाईकोर्ट में सीजे पद पर राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। ऐसे में जस्टिस मेहता को गुवाहाटी हाईकोर्ट का सीजे नियुक्त करने का प्रस्ताव लिया जाता है। गौरतलब है कि हाल ही में केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर ही राजस्थान हाईकोर्ट के सीजे पंकज मित्थल को सुप्रीम कोर्ट में जज नियुक्त किया था।

कोई नया संक्रमित नहीं मिला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में बुधवार को भी लगातार दूसरे दिन कोई नया करोना संक्रमित नहीं मिला। इस दौरान पांच संक्रमितों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर 10 रह गए हैं।

प्रदेश में बुधवार को भी करोना संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इससे पहले मंगलवार को भी कोई संक्रमित नहीं पाया गया था। राजधानी जयपुर में भी आज कोई नया मरीज नहीं मिला है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में भरतपुर में 5 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 10 रह गए हैं। फिलहाल जयपुर में 5, उदयपुर में 3 तथा अलवर और भरतपुर में 1-1 मामला है। राज्य में बुधवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9654 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में बुधवार को 4 हजार 403 कोविड के टीके लगाये गये है। इनमें 3 हजार 474 लोगों को प्रोकॉशन डोज दी गई है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां के नेतृत्व में पार्टी पूरे राजस्थान में मजबूत हुई'

भाजपा के आदिवासी नेताओं ने कहा, ''तीन-चौथाई बहुमत की सरकार बनेगी''

- हेमराज मीणा का बयान, ''जनहित के मुद्दों पर सतीश पूनिया के नेतृत्व में पार्टी पूरी तरह सक्रिय, राजस्थान में यह रिकॉर्ड होगा कि सतीश पूनिया हर विधानसभा, हर जिले में पहुंचे''

जयपुर। राजस्थान के वागड़ और हाड़ौती क्षेत्र के भाजपा के आदिवासी नेताओं ने बयान जारी कर भाजपा राजस्थान संगठन व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व की प्रशंसा की है। आदिवासी नेताओं ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व में भाजपा किसान कर्जमाफी, महिला सुरक्षा, पेपर लीक, बिगड़ी कानून व्यवस्था, लंपी इत्यादि तमाम जनहित के मुद्दों पर सड़क से सदन तक कांग्रेस सरकार के खिलाफ मुखर है, दर्जनों से अधिक आंदोलन जयपुर से प्रदेश के सभी जिलों में किये और आगामी दिनों में होंगे, पार्टी संगठन की मजबूती से लेकर जनता की लड़ाई लड़ने में पूरी तरह सक्रिय है।

इन आदिवासी नेताओं का कहना है कि किसानों और युवाओं के मुद्दों पर आंदोलनों का नेतृत्व करते हुये सतीश पूनियां के शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं और पैर तक में गंभीर फ्रैक्चर आ गया था। पुलिस-प्रशासन की तानाशाही व लाठीचार्ज के कारण और वहीं कोरोनाकाल में सेवा ही संगठन अभियान की मॉनिटरिंग, प्रदेशभर के प्रवास व फील्ड में कार्य करने के दौरान सतीश पूनिया दो बार स्वयं कोरोना संक्रमित हो गये थे, जिसमें वह महीनेभर तक अस्पताल में भर्ती रहते हुये जिंदगी और मौत से जूझे, जिसमें वह प्रदेश के कार्यकर्ताओं व जनता की दुआओं के कारण मौत को मात देकर फिर से जनता के बीच आकर लगातर संगठन की मजबूती में जुटे हैं और जनता के मुद्दों को उठाने में पूरी तरह मुखर रहते हैं। हाड़ोती संभाग के पार्टी के वरिष्ठ आदिवासी नेता व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष हेमराज मीणा ने हाल ही में राजसमंद में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के बारे में किसी भी कार्यकर्ता से पूछा जा सकता है।

दीक्षान्त समारोह तीन मार्च को

जयपुर (कासं)। श्रीकर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर का पंचम दीक्षान्त समारोह 3 मार्च को आयोजित होना निर्धारित किया गया है। कुलपति प्रोफेसर बलराज सिंह ने बताया कि स्नातक विद्यार्थियों को सत्र 2021-22 एवं स्नातकोत्तर व विद्या-वाचस्पति विद्यार्थियों को जनवरी 2022 से दिसंबर 2022 तक उत्तीर्ण एवं नियमानुसार योग्य विद्यार्थियों को उपाधिया एवं स्वर्ण पदक प्रदान किये जावेगें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलाधिपति एवं राज्यपाल कलराज मिश्र करेंगे। कुलसचिव बी एल बंजारा ने बताया कि उपाधियां प्रदान करने के लिए नियमानुसार योग्य विद्यार्थियों की अस्थाई सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइड पर उपलब्ध करवाई गई है एवं संबंधित महाविद्यालयों को भी उपलब्ध करवा दी गयी है।

भाजपा पार्षदों की नाराजगी के बाद बैंगलुरु का टूर रद्द

भाजपा पार्षद कुसुम यादव के साथ बुधवार को कई पार्षदों ने आयुक्त विश्राम मीणा को ज्ञापन देकर प्रस्तावित टूर का विरोध जताया।

जयपुर (कासं)। हैरिटेज नगर निगम की ओर से पार्षदों के सैर-सपाटे के लिए तय किया गया बैंगलुरु टूर अब रद्द हो गया है। भाजपा पार्षद कुसुम यादव ने बताया कि बुधवार को भाजपा के पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त विश्राम मीणा को ज्ञापन देकर प्रस्तावित टूर का विरोध जताया। पार्षदों ने कहा कि एक तरफ नगर निगम में वार्डों के विकास कार्यों के लिए पैसा नहीं है, दूसरी तरफ पार्षदों के टूर के नाम जनता के पैसों की बर्बादी क्यों की जा रही है। पार्षदों के टूर पर किया जाने वाला खर्च यदि वार्डों में विकास के लिए खर्च किया जाएगा, तो उसमें जनता का भला होगा। पार्षदों के बैंगलोर जाने से जनता का भला नहीं होने वाला है। पार्षदों की इस नाराजगी को भांपते हुए आयुक्त विश्राम मीणा ने फ़िलहाल इस टूर को स्थगित कर दिया है। पार्षदों के प्रतिनिधि मंडल में कुसुम यादव, विमल अग्रवाल, श्याम सुंदर सैनी, रितु किशोर मोतियानी, घनश्याम टेपन और अमर गुर्जर समेत कई लोग मौजूद थे।

विधानसभा अध्यक्ष ने अफसरशाही को किया तलब

जयपुर, (का.प्र.)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने राज्य के प्रमुख आईएएस अधिकारियों को विधानसभा बुलाकर क्लास ली और नाराजगी जताई है। नाराजगी इस बात पर है कि अधिकांश अधिकारी जिन्हें कि विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी दी गई है, वह समय पर ना तो जवाब पेश कर पा रहे हैं और ना विधानसभा में उपस्थित हो रहे हैं। विधानसभा में पिछले दो-तीन सत्रों में लगातार देखा जा रहा है कि अधिकारी दीर्घा प्रश्नकाल के बाद में खाली हो जाती है और जब महत्वपूर्ण मामले सामने आते हैं, तब विभागीय अधिकारी अनुपस्थित रहते हैं। इस बात को लेकर उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ भी कई बार ध्यान दिला चुके हैं। कई बार विधानसभा सत्र के दौरान देखा जाता है कि जब कोई मामला आता है, तो अधिकारी नदारद रहते हैं। ऐसे में ना सिर्फ सरकार के सामने जवाब देने का संकट होता है, बल्कि प्रतिपक्ष को भी हावी होने का मौका मिल जाता है। लगातार इस तरह की घटनाएं होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को तलब किया था।

विधानसभाध्यक्ष सी.पी.जोशी ने अधिकारियों की बैठक लेकर प्रश्नकाल के बाद गायब रहने वाली अफसरशाही को लेकर नाराजगी जताई।

- 'ना प्रश्नों के उत्तर समय पर आ रहे हैं, ना मंत्रियों के आश्वासन पर कार्यवाही हो रही'

विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी ने बुधवार को विधानसभा में प्रदेश के प्रमुख आईएएस अफसरों की क्लास ली। विधानसभा में विधायकों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब समय पर तैयार करके नहीं देने और सदन में मंत्रियों द्वारा दिए गए प्रस्तावों आश्वासनों पर कार्रवाई की जानकारी नहीं देने के कारण विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी प्रदेश की अफसरशाही से नाराज हैं। यही कारण है कि उन्होंने बुधवार को विभागों के शासन सचिव, प्रमुख शासन सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव के पदों पर कार्यरत आईएएस अफसरों को विधानसभा के समिति कक्ष में दोपहर तीन बजे तलब किया।

अधिकारियों के इस तरह से गैर जिम्मेदाराना व्यवहार को लेकर मुख्य सचिव उषा शर्मा को विधानसभा सचिवालय ने दो बार पत्र भी लिखे हैं। दरअसल विधानसभा अध्यक्ष डॉ जोशी ने 15वीं और 14वीं विधानसभा के प्रश्नों, आश्वासनों, प्रस्तावों पर अब तक जवाब नहीं आने और कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई है। प्रदेश की अफसरशाही और राजनीतिक इतिहास में पहला मौका है, जब विधानसभा अध्यक्ष ने इस तरह से आईएएस अफसरों को सीधे बुलाकर जवाब-तलब किया है। बताया जा रहा है कि विधानसभा अध्यक्ष की ओर से भेजे गए पत्र में लिखा है कि प्रश्न व संदर्भ समिति और अध्यक्ष स्तर पर प्रश्नों का जवाब नहीं देने, प्रस्तावों की जानकारी अब तक तैयार नहीं करने, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के तहत मंत्रियों के स्तर पर दिए गए आश्वासनों की जानकारी मुहैया नहीं करवाने को अफसरों के स्तर पर गंभीर लापरवाही और उदासीनता बरतना माना गया है।